सामाजिक समरसता के लिए त्याग जरूरी

ब्रह्माकुमारी संगठन में समाजसेवकों का चार दिवसीय सम्मेलन

माउंट आबू,। महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री शिवाजीराव मोघे ने कहा है कि त्याग व तपस्यामय जीवनशैली वाले समाजसेवक की वर्तमान समाज में सामाजिक समरसता विकसित करने में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं। वे प्रजपिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में समाज सेवा प्रभाग द्वारा परिवार, समाज व प्रकृति विषय पर आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र में देश भर से आए समाजसेवकों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सदभावना जागृत करने को ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से समाज के विभिन्न वर्गों को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम सार्थक सिद्ध हो रहे हैं। समाधान व राष्ट्र विकास को गतिमान बनाने के लिए समाजसेवकों का समर्पणभाव होना चाहिए। जाति-धर्म आदि विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे समाज को सही दिशा दिखाने वाले समाजसेवक महान है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्यप्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि हर मनुष्य परमात्मा की संतान है, उसमें कोई न कोई विशेष विशेषता अवश्य होती है जिससे वह अपने जीवनस्तर को ऊंचा उठा सकता है। इसके लिए राजयोग का अभ्यास करना आवश्यक है। राजयोग एक ऐसी कला है जो हमें न केवल जीवन जीने की कला सिखाता है बल्कि दूसरों के प्रति भी शुभ भावना, शुभ कामना और कल्याण की भावना का समावेश होता है।

समाजसेवा प्रभाग अध्यक्ष बी.के. संतोष बहन ने कहा कि समाज को श्रेष्ठ संस्कारों से सिंचित करने के लिए समाजसेवकों को अपने वैचारिक धरातल को सकारात्मक बनाकर अपनी विशेष जिम्मेदारी समझनी होगी।

संगठन महासचिव बी.के. निर्वैर ने कहा कि निर्मल मन, हर मानव के प्रति दया, प्रेम व सदभावना से ही सामाजिक सेवाओं को फलीभूत किया जा सकता है। जीवन में आध्यात्मिकता का समावेश कर दृढ़ता का गुण धारण कर लिया जाए तो सामाजिक विकास की सफलता प्राप्त करने के लिए कोई भी समस्या आड़े नहीं आ सकती।

मध्यप्रदेश इंदौर से आए रोटरी अंतराष्ट्रीय प्रांतपाल लोकेंद्र पप्पल ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में भौतिक पक्ष पर जोर न देकर आध्यात्मिक पक्ष पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

प्रभाग उपाध्यक्ष बी.के. अमीरचंद ने कहा कि लोक कल्याण व देश विकास के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं को मतभेदों को भुलाकर एक मत होने की समय की मांग है तभी हम भारत को सोने की चिड़िया बनाने में कामयाब हो सकेंगे।

राष्ट्रीय संयोजक प्रेमसिंह ने कहा कि ने कहा कि समाज का पतन मनोंविकारो से हुआ है, विकारों से मुक्ति के बाद ही समाज उत्थान संभव है। विभिन्न समाजसेवी संगठनों की एकता से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। कार्यक्रम को मुख्यालय संयोजक बी.के. अवतार, मुंबई क्षेत्रीय संयोजिका बी.के. वन्दना बहन आदि ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व चार दिवसीय सम्मेलन का दीप प्रज्जवलित कर अतिथियों ने उदघाटन किया।

फोटो केप्शन – 16एमएबी1,2,3 माउंट आबू। ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर में समाजसेवकों को संबोधित करते महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री शिवाजीराव मोघे, उपस्थित समाजसेवक, दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का उदघाटन करते अतिथिगण।